उत्तर प्रदेश

18 बड़े और मध्यम आकार के राज्यों के बीच में रैंक

संपूर्ण रूप से 18th

पुलिस	जेलें	न्यायपालिका	विधिक सहायता
18th	14th	17th	18th

India Justice Report | 2019
Supported by TATA TRUSTS

पुलिस

श्रेणी में रैंक 18th

अंक (10 में से) 2.98

डेटा को कैसे पढ़ें : चूंकि प्रत्येक संकेतक की एक अलग इकाई होती है, इसलिए तुलना करने के लिए, हमने 1 से 10 के बैंड में राज्य के प्रदर्शन की गणना करने हेतु मूल्यों के लिए एक नया आधार स्तर तैयार किया है। लाइन ग्राफ यह दर्शाता है कि राज्य, प्रत्येक संकेतक पर, अन्य 17 बड़े- और मध्यम आकार के राज्यों के विरुद्ध किस प्रकार तुलना करता है। जितनी लंबी लाइनें होंगी, राज्य उतना ही बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। 'सबसे खराब मानऔर 'सर्वोत्तम मान' उस सूचक के उच्चतम एवं निम्नतम परिणामों को इंगित करते हैं।

बजट

	राज्य का मान	राज्य के अंक (10 में से)	सबसे खराब मान	सबसे अच्छा मान	राज्य रैंक
उपयोग किया गया मॉडर्नाईज़ेशन फंड (%, 2016-17)	23		3	80	11
प्रति व्यक्ति पुलिस पर व्यय (रुपये, 2015-16)	591		498	1,666	14

मानव संसाधन

कांस्टेबलों, रिक्ति (%, जनवरी 2017)	53.0		53.0	-6.9	17
अधिकारी, रिक्ति (%, जनवरी 2017)	62.6		62.6	8.2	18
सिविल पुलिस में अधिकारी (%, जनवरी 2017)	10.6		8.6	27.5	14

आधे से अधिक स्वीकृत कांस्टेबलों के पद रिक्त रहे। अधिकारियों ने स्वीकृत कार्यबल के 40% के साथ कार्य किया।

विविधता

पुलिस में महिलाओं का हिस्सेदारी (%, जनवरी 2017)	3.8		2.5	12.9	17
अधिकारियों में महिलाओं का हिस्सेदारी (%, जनवरी 2017)	3.1		1.5	19.7	14
अनु. जाति अधिकारी, आरक्षित अनुपात में वास्तविक (%, जनवरी 2017)	32		32	120	17
अनु. जनजाति अधिकारी, आरक्षित अनुपात में वास्तविक (%, जनवरी 2017)	30		0	172	13
अ.पि.व. अधिकारी, आरक्षित अनुपात में वास्तविक (%, जनवरी 2017)	33		18	169	12

राज्य के पुलिस बल में विविधता का प्रतिनिधित्व कमजोर था। चार प्रतिशत से भी कम पुलिस बल महिलाओं से बना है।

अवसंरचना

जनसंख्या प्रति पुलिस स्टेशन (ग्रामीण) (जनवरी 2017)	151,825		232,896	30,445	17
जनसंख्या प्रति पुलिस स्टेशन (शहरी) (जनवरी 2017)	101,125		240,608	32,881	13
क्षेत्र प्रति पुलिस स्टेशन क्षेत्र (ग्रामीण) (वर्ग कि.मी., जनवरी 2017)	228		719	79	6
क्षेत्र प्रति पुलिस स्टेशन (शहरी) (वर्ग कि.मी., जनवरी 2017)	17		71	8	7

कार्यभार

जनसंख्या प्रति नागरिक पुलिस (व्यक्ति, जनवरी 2017)	1,157		1,663	445	15

रुझान

कुल पुलिस में महिलाएं (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	0.46		-0.65	1.33	5
कुल अधिकारियों में महिला अधिकारी (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	-0.14		-0.68	1.14	14
कांस्टेबल रिक्ति (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	-0.80		2.35	-4.14	8
अधिकारी रिक्ति (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	1.53		3.39	-4.53	10
व्यय में अंतर: पुलिस बनाम राज्य (प्रतिशत अंक, वित्तीय वर्ष '12-'16)	-4.84		-6.11	6.04	12

5 वर्षों में, कुल पुलिस में महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार हुआ था, हालांकि महिला अधिकारियों की हिस्सेदारी में गिरावट आई थी।

डेटा स्रोत : विभिन्न पुलिस संगठन, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बी.पी.आर. एंड डी.); भारत में संघ और राज्य सरकारों के संयुक्त वित्त एवं राजस्व लेखे; भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक; प्राथमिक जनगणना सार, जनगणना 2011; ओपन बजट्स इंडिया।

टिप्पणियां : 1. 'जनवरी 2017' हेतु डेटा, दिनांक 1 जनवरी, 2017 तक के अनुसार है। 2. एस.सी.: अनु. जाति; एस.टी.: अनु. जनजाति; ओ.बी.सी.: अन्य पिछड़ा वर्ग। 3. पी.पी.: प्रतिशत अंक। 4. एन.ए.: उपलब्ध नहीं। 5. सी.वाई.: कैलेंडर वर्ष; एफ.वाई.: वित्तीय वर्ष। 6. सिविल पुलिस में जिला सशस्त्र रिज़र्व पुलिस भी सम्मिलित है।

जेलें

श्रेणी में रैंक 14th

अंक (10 में से) 4.42

डेटा को कैसे पढ़ें : चूंकि प्रत्येक संकेतक की एक अलग इकाई होती है, इसलिए तुलना करने के लिए, हमने 1 से 10 के बैंड में राज्य के प्रदर्शन की गणना करने हेतु मूल्यों के लिए एक नया आधार स्तर तैयार किया है। लाइन ग्राफ यह दर्शाता है कि राज्य, प्रत्येक संकेतक पर, अन्य 17 बड़े- और मध्यम आकार के राज्यों के विरुद्ध किस प्रकार तुलना करता है। जितनी लंबी लाइनें होंगी, राज्य उतना ही बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। 'सबसे खराब मानऔर 'सर्वोत्तम मान' उस सूचक के उच्चतम एवं निम्नतम परिणामों को इंगित करते हैं।

बजट

	राज्य का मान	राज्य के अंक (10 में से)	सबसे खराब मान	सबसे अच्छा मान	राज्य रैंक
प्रति कैदी व्यय (रु., 2016-17)	25,992		14,683	41,849	13
उपयोग किया गया जेल बजट (%, 2016-17)	94		77	99	6

मानव संसाधन

अधिकारी, रिक्ति (%, दिसंबर 2016)	49.8		70.1	-0.5	12
कैडर स्टाफ रिक्ति (%, दिसंबर 2016)	38.5		71.6	1.2	13
करेक्शनल स्टाफ रिक्ति (%, दिसंबर 2016)	0.0		100.0	0.0	1
चिकित्सा कर्मचारी, रिक्ति (%, दिसंबर 2016)	37.0		85.6	0.0	11
चिकित्सा अधिकारी, रिक्ति (%, दिसंबर 2016)	38.8		100.0	0.0	11

हालांकि, इसमें करेक्शनल स्टाफ़ के शून्य पद रिक्त थे, लेकिन 95,000 कैदियों की जेल की आबादी हेतु केवल 1 ही करेक्शनल स्टाफ़ स्वीकृत किया गया था।

विविधता

जेल स्टाफ में महिलाएं (%, दिसंबर 2016)	5.9		2.3	18.7	13

अवसंरचना

जेल अध्यावास (%, दिसंबर 2016)	164		190	66	12

राज्य की जेलें 64 प्रतिशत अंकों से अति संकुलित थीं अर्थात उपलब्ध जेल क्षमता से अधिक 37,000 क़ैदी थे।

कार्यभार

क़ैदी प्रति अधिकारी (व्यक्ति, दिसंबर 2016) कैदी	304		343	36	17
क़ैदी प्रति कैडर स्टाफ (व्यक्ति, दिसंबर 2016)	18		27	5	14
क़ैदी प्रति करेक्शनल स्टाफ (व्यक्ति, दिसम्बर 2016)	95,336		95,336	124	14

रुझान

अधिकारी रिक्ति (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	0.56		7.91	-3.45	10
कैडर स्टाफ रिक्ति (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	1.05		5.60	-7.26	11
जेल स्टाफ में महिलाओं का हिस्सेदारी (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	0.01		-0.28	1.46	13
क़ैदी प्रति जेल अधिकारी (%, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	7.2		55.6	-9.7	14
क़ैदी प्रति कैडर स्टाफ (%, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	5.0		14.4	-6.8	12
विचाराधीन बंदियों की हिस्सेदारी (प्रतिशत अंक, कैलेंडर वर्ष '12-'16)	1.23		1.41	-0.77	15
प्रति कैदी व्यय (%, वित्तीय वर्ष '13-'17)	15.8		1.2	65.3	4
उपयोग किया गया जेल बजट (प्रतिशत अंक, वित्तीय वर्ष '13-'17)	4.00		-2.28	4.00	1
व्यय में अंतर : जेल बनाम राज्य (प्रतिशत अंक, वित्तीय वर्ष '12-'16)	-4.4		-21.8	26.3	7

राज्य ने 5 साल की अवधि में अपने जेल बजट उपयोग में सबसे अधिक सुधार किया था।

डेटा स्रोत : जेल सांख्यिकी भारत (पी.एस.आई), राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.); भारत में संघ और राज्य सरकारों के संयुक्त वित्त एवं राजस्व खाते; भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक; प्राथमिक जनगणना सार, जनगणना 2011; ओपन बजट्स इंडिया।
टिप्पणियां : 1.'दिसंबर 2016' हेतु डेटा, दिनांक 31 दिसंबर, 2016 तक के अनुसार है। 2. पी.पी.: प्रतिशत अंक। 3. एन.ए.: उपलब्ध नहीं। 4. सी.वाई.: कैलेंडर वर्ष; एफ.वाई.: वित्तीय वर्ष।

Supported by TATA TRUSTS

न्यायपालिका

श्रेणी में रैंक 17th

अंक (10 में से) 3.70

डेटा को कैसे पढ़ें : चूंकि प्रत्येक संकेतक की एक अलग इकाई होती है, इसलिए तुलना करने के लिए, हमने 1 से 10 के बैंड में राज्य के प्रदर्शन की गणना करने हेतु मूल्यों के लिए एक नया आधार स्तर तैयार किया है। लाइन ग्राफ यह दर्शाता है कि राज्य, प्रत्येक संकेतक पर, अन्य 17 बड़े- और मध्यम आकार के राज्यों के विरुद्ध किस प्रकार तुलना करता है। जितनी लंबी लाइनें होंगी, राज्य उतना ही बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। 'सबसे खराब मानऔर 'सर्वोत्तम मान' उस सूचक के उच्चतम एवं निम्नतम परिणामों को इंगित करते हैं।

बजट

	राज्य का मान	राज्य के अंक (10 में से)	सबसे खराब मान	सबसे अच्छा मान	राज्य रैंक
न्यायपालिका पर प्रति व्यक्ति व्यय (रु., 2015-16)	75		52	201	15

मानव संसाधन

जनसंख्या प्रति उच्च न्यायालय न्यायाधीश (2016-17)	2,459,229		3,558,956	963,181	13
जनसंख्या प्रति अधीनस्थ न्यायालय न्यायाधीश (2016-17)	113,080		113,080	46,056	17
उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश रिक्ति (%, 2016-17)	49.2		59.8	26.1	13
अधीनस्थ न्यायालयों में न्यायाधीश रिक्ति (%, 2016-17)	30.9		44.0	4.5	14
उच्च न्यायालयों में कर्मचारी रिक्ति (%, 2016-17)	26.7		34.9	5.5	10

न्यायाधीशों के पदों की अधिक रिक्ति रही। उच्च न्यायालय के 2 में से लगभग 1 पद रिक्त था।

विविधता

महिला न्यायाधीश (उच्च न्यायालय) (%, जून 2018)	6.1		0.0	19.6	10
महिला न्यायाधीश (अधीनस्थ न्यायालय) (%, जुलाई 2017)	21.4		11.5	44.0	15

अवसंरचना

न्यायालय कक्षों की कमी (%, 2016-17, मार्च 2018)	14.3		35.1	0.0	7

कार्यभार

लंबित प्रकरण (5-10 वर्ष) (अधीनस्थ न्यायालय) (%, अगस्त 2018)	24.04		24.04	0.99	17
लंबित प्रकरण (10+ वर्ष) (अधीनस्थ न्यायालय) (%, अगस्त 2018)	13.78		16.57	0.11	15
उच्च न्यायालयों में लंबित प्रकरण (वर्ष, सितंबर 2017)	4.3		4.3	1.7	11
अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित प्रकरण (वर्ष, अगस्त 2017)	6.8		9.5	3.7	14
प्रकरण निपटान दर (उच्च न्यायालय) (%, 2016-17)	100		70	102	1
प्रकरण निपटान दर (अधीनस्थ न्यायालय) (%, 2016-17)	90		87	129	13

निचली अदालत के स्तर पर, 4 में से लगभग 1 मामला 5 से 10 साल से लंबित है।

रुझान

लंबित प्रकरण (प्रति उच्च न्यायालय न्यायाधीश) (%, FY '13-'17)	-4.6		17.1	-8.5	6
लंबित प्रकरण (प्रति उप-न्यायालय न्यायाधीश) (%, वित्तीय वर्ष '13-'17)	2.0		6.1	-7.9	14
कुल लंबित प्रकरण (उच्च न्यायालय) (%, वित्तीय वर्ष '13-'17	-1.6		10.3	-9.5	6
कुल लंबित प्रकरण (अधीनस्थ न्यायालय) (%, वित्तीय वर्ष '13-'17	0.9		7.5	-2.7	8
न्यायाधीश रिक्ति (उच्च न्यायालय) (प्रतिशत अंक, वित्तीय वर्ष '13-'17)	-1.66		6.71	-1.66	1
न्यायाधीश रिक्ति (अधीनस्थ न्यायालय) (प्रतिशत अंक, वित्तीय वर्ष '13-'17)	3.75		3.75	-4.57	16
प्रकरण निपटान दर (उच्च न्यायालय) (प्रतिशत अंक, वित्त वर्ष '13-'17)	2.91		-4.84	4.75	3
प्रकरण निपटान दर (अधीनस्थ न्यायालय) (प्रतिशत अंक, वित्त वर्ष '13-'17)	-0.65		-7.71	6.11	9
व्यय में अंतर : न्यायपालिका बनाम राज्य (प्रतिशत अंक, वित्तीय वर्ष '12-'16)	-7.38		-12.59	6.77	11

कुल मिलाकर, 5 वर्षों में, अधीनस्थ अदालतें बढ़ती विचाराधीनता और रिक्तियों से प्रभावित हुई और प्रकरण निपटान दर में गिरावट हुई।

आंकड़ों के स्रोत : कोर्ट न्यूज़, सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया; नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड; ई-कोर्ट सेवाएँ; उच्च न्यायालयों की वेबसाइटें; एप्रोच टू जस्टिस इन इंडिया: दक्ष (DAKSH) द्वारा एक रिपोर्ट; भारत में संघ और राज्य सरकारों के संयुक्त वित्त और राजस्व लेखे, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक; प्राथमिक जनगणना सार, जनगणना 2011; सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी द्वारा दायर आवेदन; ओपन बजट्स इंडिया; न्याय विभाग।
टिप्पणियां : 1. आंकड़े 'अगस्त 2018' हेतु 23 अगस्त 2018 पर; 'सितम्बर 2017' हेतु 19 सितंबर, 2017 पर; तथा 'अगस्त 2017' हेतु 29 अगस्त, 2017 पर आधारित हैं।
2. अधी. अदालत : अधीनस्थ अदालत 3. पीपी: प्रतिशत अंक 4. एनए: उपलब्ध नहीं 5. सीवाई: कैलेंडर वर्ष; एफवाई: वित्तीय वर्ष

Supported by TATA TRUSTS

विधिक सहायता

श्रेणी में रैंक 18th

अंक (10 में से) 2.50

डेटा को कैसे पढ़ें : चूंकि प्रत्येक संकेतक की एक अलग इकाई होती है, इसलिए तुलना करने के लिए, हमने 1 से 10 के बैंड में राज्य के प्रदर्शन की गणना करने हेतु मूल्यों के लिए एक नया आधार स्तर तैयार किया है। लाइन ग्राफ यह दर्शाता है कि राज्य, प्रत्येक संकेतक पर, अन्य 17 बड़े- और मध्यम आकार के राज्यों के विरुद्ध किस प्रकार तुलना करता है। जितनी लंबी लाइनें होंगी, राज्य उतना ही बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। 'सबसे खराब मानऔर 'सर्वोत्तम मान' उस सूचक के उच्चतम एवं निम्नतम परिणामों को इंगित करते हैं।

बजट

	राज्य का मान	राज्य के अंक (10 में से)	सबसे खराब मान	सबसे अच्छा मान	राज्य रैंक
उपयोग की गई रा.वि.से.प्रा. निधि (%, 2017-18)	54		50	98	17
विधिक सहायता व्यय में राज्य की हिस्सेदारी (%, 2017-18)	89		0	89	1

मानव संसाधन

जि.वि.से.प्रा. में सचिव रिक्ति (%, 2019)	28.2		34.8	0.0	5
पैरा लीगल वॉलंटियर प्रति लाख जनसंख्या (संख्या, जनवरी 2019)	1.6		1.6	13.8	18
जि.वि.से.प्रा. के स्वीकृत सचिव (%, 2019)	100		100	103	1

देश में जनसंख्या अनुपात में सबसे कम स्वयंसेवी रहा।

विविधता

महिला पैनल अधिवक्ता (%, जनवरी 2019)	7.4		7.4	40.4	18
महिला पैरा लीगल वॉलंटियर (%, जनवरी 2019)	24.2		22.3	65.7	17

अवसंरचना

राज्य न्यायिक जिलों के % के रूप में जि.वि.से.प्रा. (%, 2019)	95		83	100	2
ग्राम प्रति विधिक सेवाएं क्लिनिक (संख्या, 2017-18)	1,603.5		1,603.5	6.2	18
विधिक सेवाएं क्लिनिक प्रति जेल (संख्या, 2017-18)	0.19		0.19	1.78	15

विधिक सहायता प्रदाताओं के बीच महिलाओं का सबसे कम प्रतिनिधित्व था।

कार्यभार

स्थायी लोक अदालत प्रकरण : प्राप्त प्रकरणों के % के रूप में निराकृत (%, 2017-18)	37		0	85	12
कुल लोक अदालतें : मुक़दमा-पूर्व प्रकरणों का निपटारा (%, 2017-18) *	35.1		7.4	92.1	11
रा.वि.से.प्रा. लोक अदालतें : लिए गए प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन (%, 2017-18) **	8.0		0.0	93.8	6

आंकड़ों के स्रोत : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा); प्राथमिक जनगणना सार, जनगणना 2011; प्रिज़न स्टेटिसटिक्स इंडिया (पीएसआई), राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी).
टिप्पणियां : 1. डीएलएसए : जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण; एलए : लोक अदालत; पीएलए : स्थायी लोक अदालत; पीएलवी : पैरा-लीगल वॉलंटियर; एसएलएसए : राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण।
पूर्ण संकेतक : *एलएलए + एसएसएसए एलए : विचाराधीन मामलों (%, 2017-18) में पूर्व-मुकदमेबाजी मामलों की हिस्सेदारी; ** एसएसएसए एलए : कुल लिए गए मामलों (%, 2017-18) के % के रूप में लिए गए पूर्व-मुकदमेबाजी के मामले;

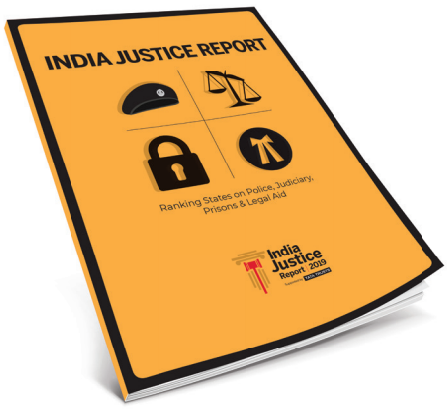

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट के बारे में :

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2019 प्रथम व्यापक मात्रात्मक सूचकांक प्रदान करती है जो विभिन्न राज्यों में औपचारिक न्याय प्रणाली की क्षमता को पुलिस, जेलों, न्यायपालिका एवं विधिक सहायता पर संचालित औपचारिक न्याय प्रणाली की क्षमता को रैंक प्रदान करता है। इस रैंकिंग को टाटा ट्रस्ट द्वारा दक्ष, कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव, कॉमन कॉज, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी और टी.आई.एस.एस.-प्रयास की साझेदारी में समर्थित किया गया था एवं सुसाध्य बनाया गया था।

मुख्य रिपोर्ट, रैंकिंग और कार्यपद्धति, डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, संबंधित अनुसंधान एवं और अधिक जानकारी हेतु **www.tatatrusts.org** पर जाएं।

डेटा एवं डिज़ाइन : हाउ इंडिया लिव्स

Supported by
TATA TRUSTS